नवोदय (Navodaya)

दिनाँक (Dated): 21-05-2025	पृष्ठ सं0 (Page No). 09	क्रम सं0(Serial No.) 13

अभियान | भारत-नेपाल के संबंधों में जुड़ा एकता का नया अध्याय

संयुक्त दल ने फतह की कंचनजंगा

नई दिल्ली, 20 मई (नवोदय टाइम्स): भारत-नेपाल मैत्री और सैन्य सौहार्द की एक शानदार मिसाल पेश करते हुए, एक संयुक्त पर्वतारोहण दल ने सोमवार को दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी माउंट कंचनजंगा (8,586 मीटर ऊंची) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की।

नौ सदस्यीय पर्वतारोही दल में भारतीय सेना के कर्नल सरफराज सिंह के साथ चार सैनिक और नेपाली सेना के कैप्टन प्रशांत खानका के साथ तीन सैनिक शामिल रहे। यह दल शून्य से नीचे के तापमान और तूफानी हवाओं का सामना करता हुआ सोमवार की सुबह 7 बजकर 40 मिनट पर कंचनजंगा की चोटी पर पहुंचा। टीम के सदस्यों ने साझेदारी के प्रतीकात्मक संकेत के रूप में वहां भारत और नेपाल के राष्ट्रीय ध्वज फहराए। उम्मीद है कि दोनों दल कंचनजंगा से उतरकर बीरवार तक बेस कैंप पर पहुंच जाएंगे।

CISF की पहली महिला पर्वतारोही बनीं गीता

नई दिल्ली 20 मई (नवोदय टाइम्स): केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की महिला सब-इंस्पेक्टर गीता समोता ने माउंट एवरेस्ट 8,849 मीटर ऊंचाई को फतह कर इतिहास रच दिया है। 19 मई 2025 को उन्होंने विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर कदम रखा, जो सीआईएसएफ और भारत के लिए गौरव का पल है। राजस्थान के सीकर जिले के चक गांव की गीता की यह फतह साहस और प्रेरणा की मिसाल है। बल के उप महानिरीक्षक अजय दहिया ने बताया कि चार बहनों के साधारण परिवार में जन्मी गीता ने स्थानीय स्कूल-कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की। हॉकी में होनहार होते हुए चोट ने उन्हें खेल से दूर किया, लेकिन 2011 में सीआईएसएफ में शामिल होने के बाद उन्होंने पर्वतारोहण को चुना। 2015 में औली में आईटीबीपी संस्थान में बेसिक पर्वतारोहण परीक्षण और 2017 में एडवांस्ड प्रशिक्षण पूरा कर वह सीआईएसएफ की एकमात्र महिला पर्वतारोही बनीं। 2019 में गीता ने माउंट सतोपंथ और लोबुचे फतह कर सीएपीएफ की पहली महिला बनीं। 2021-22 में उन्होंने सात शिखर चुनौती के तहत ऑस्ट्रेलिया, रूस, तंजानिया और अर्जेंटीना की चार चोटियों को छह महीने में फतह किया।